हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनको अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

धामी सरकार का बड़ा ऐलान, कांवड़ मार्ग .. 8

वर्ष : 14 अंक : 301 | देहरादून,बुधवार 02 जुलाई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

सीएम धामी ने किया राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में प्रदेशभर से आए चिकित्सकों को सम्मानित

राज्य के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सुविधाएँ सस्ती दरों पर उपलब्ध कराना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता- मुख्यमंत्री

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । सीएम धामी ने सभी चिकित्सकों का आह्वान करते हुए कहा कि डॉक्टरी का पेशा केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि एक "नोबल प्रोफेशन" है, जो सेवा, संवेदना और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जनता के मन में डॉक्टर के प्रति जो आस्था, सम्मान और श्रद्धा है, उसे और मजबूत करें। सभी चिकित्सकों से अनुरोध है कि अपने आचरण, सेवा और समर्पण से हमेशा अपनी उस छवि को जीवित रखें, जो समाज ने डॉक्टर को %धरती का भगवान% कहकर दी है।

मुख्यमंत्री आवास में डॉक्टर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम पर सभी चिकित्सको को राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आप लोग अपनी सेवा, समर्पण और करुणा से अनगिनत लोगों के जीवन को संजीवनी प्रदान करते हैं। भारतीय संस्कृति में ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म का एक अद्वितीय संगम देखने को मिलता है, हमारी

राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में सीएम ने डॉ आशुतोष स्याना को किया सम्मानित

संस्कृति केवल आस्था और विश्वास पर

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

मुख्यमंत्री ने कैंपा निधि के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड कैंपा (क्षतिपूर्ति वनीकरण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) शासी निकाय की बैठक हुई। बैठक में कैंपा निधि के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कैंपा फंड का उपयोग राज्य में वनों के सतत प्रबंधन, वानिकी विकास, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने तथा वनों पर आश्रित समुदायों के कल्याण के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि देहरादून शहर में ग्रीन कवर बढ़ाने हेतु, कैम्पा फंड इस्तेमाल किए जाने के लिए केंद्र सरकार के स्तर से भी अनुमति प्राप्त करने की कार्यवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए प्रभावी योजना तैयार की जाए। वन क्षेत्रों में जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवीकरण को शीर्ष प्राथमिकता में रखा जाए। इसके लिए वन विभाग के साथ पेयजल, जलागम, ग्राम्य विकास और कृषि विभाग संयुक्त रूप से कार्य योजना तैयार करें। उन्होंने वनाग्नि रोकथाम के लिए आधुनिक तकनीक और सामुदायिक भागीदारी के जरिए व्यापक रणनीति बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण के कार्य में केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर पौधों के सर्वाइवल रेट पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कैंपा निधि से संचालित परियोजनाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि हरेला पर्व पर प्रदेश में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जाए। इसमें फलदार, औषधीय गुणों से युक्त पौधे अधिक लगाये जाएं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के लिए जन सहभागिता सुनिश्चित की जाए और लोगों को एक पेड़ मां के नाम लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि गौरा देवी की जन्म शताब्दी पर वन विभाग द्वारा सभी डिवीजन में फलदार पौधे लगाए जाएं। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि स्थानीय लोगों को वन संरक्षण के कार्यों से जोड़ने के लिए स्वरोजगार और आजीविका आधारित कार्यक्रम चलाए जाएं ताकि वन संपदा के सतत उपयोग और संरक्षण में उनकी भागीदारी बढ़ाई जा सके। बैठक में विधायक भूपाल राम टम्टा, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुदंरम, प्रमुख वन संरक्षक समीर सिन्हा, सचिव राधिका झा, चन्द्रेश कुमार, एस एन.पाण्डेय, श्रीधर बाबू अदांकी और वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यटन सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल ने की राज्यपाल से भेंट

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से मंगलवार को राजभवन में पर्यटन सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने उनसे चारधाम यात्रा एवं पर्यटन विकास से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

कांग्रेस ने ऐन नामांकन से पहले उठाया बरसात में चुनाव का मुद्दा

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । प्रदेश कांग्रेस ने पंचायत चुनाव के नामांकन से ऐन पहले भारी बारिश के बीच चुनाव कराने जाने का मुद्दा उठाया है। पार्टी का आरोप है कि आपदाओं के बीच पंचायत चुनाव करवाना राज्य सरकार की अदूरदर्शी व लोकतंत्र विरोधी मानसिकता का परिचायक है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने मंगलवार को कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि आज पूरे प्रदेश में भयंकर आपदा आई हुई है। उत्तरकाशी से लेकर गढ़वाल के सभी जिलों और कुमाऊं मंडल के पर्वतीय जनपदों में बारिश, भूस्खलन से भरी तबाही हो रखी है। सरकार को इससे कोई सरोकार नहीं है। वह चुनाव करवाने और आपदा में अवसर तलाश कर चुनाव जीतने की जुगत में है। धस्माना ने कहा कि राज्य में पंचायत चुनाव कार्यकाल खत्म हो जाने के तत्काल बाद हो जाने चाहिए थें, लेकिन सरकार ने असंवैधनिक तरीके से निवर्तमान पंचायत प्रतिनिधियों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया। इसके बाद सरकार लगातार सात महीनों तक चुनाव टालने के ही बहाने ढूंढती रही। जब हाईकोर्ट की फटकार लगाई, तब आनन फानन में जुलाई में पंचायत चुनाव करवाने की घोषणा कर दी। इसमें भी आरक्षण का रोस्टर शून्य कर जान बूझकर विवाद पैदा कर लोगों को कोर्ट जाने पर मजबूर किया, जिसके कारण चुनाव अब जुलाई में भारी बरसात और भयंकर आपदा के बीच हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसी भी प्रकार की जन हानि हुई तो इसके लिए पूर्ण रूप से भाजपा सरकार जिम्मेदार होगी।

सम्पादकीय

प्रकृति हमें दूसरों की सहायता भी करना सिखाती

जिंदगी चाहे कितने भी बुरी हो, किस्मत कितना भी खराब हो, हमें अपने हौसलों को कायम रखना चाहिए। क्योंकि इसी हौसलों से हम दोबारा सब कुछ हासिल कर सकते हैं। परंतु हम मनुष्य कभी नहीं सोचते हैं कि प्रकृति भी हमें बहुत कुछ सीखलाती है। जैसे अभी बसंत में कड़ी परीक्षा के बीच में जीवित रहने की सीख। प्रकृति हमें दूसरों की सहायता भी करना सिखाती है। जैसे कुछ पेड़ ऐसे होते हैं जो अपने तना के माध्यम से दूसरे पौधों तक भोजन व पानी का आदान प्रदान करते हैं। इससे भी हमें एक सीख मिलती है और वह सीख यह है कि हम खुद को क्यों न कितनी भी तकलीफ से पीड़ित हो मगर दूसरों की सहायता जरूर करना चाहिए। जब वह बिना मुंह के होकर, बिना हाथ पैर के, केवल अपने तथा अपने माध्यम से दूसरों की सहायता करते हैं। तो हम मनुष्य जिसके पास सब कुछ है वह क्यों नहीं। अब बारी आती है प्रकृति द्वारा दी जाने वाली हवा की। हमारे पृथ्वी पर जनसंख्या कितनी भी हो जाए लेकिन क्या पेड़ कभी यह कहता है कि, अब ऑक्सीजन नहीं दूंगा या ऑक्सीजन खत्म हो गया। नहीं। उसके पास का स्टॉक कभी खत्म नहीं होता। मगर हम मनुष्य इतने घातक हो गए हैं कि कभी-कभी हमारा शरीर खुद ऑक्सीजन लेने से मना कर देता है तथा अस्पतालों में मशीनों के माध्यम से हमें ऑक्सीजन मिलती है। हम सभी प्रकृति के साथ इतना खिलवाड़ किए हैं। हम लोगों ने ग्राउंड पर बड़े-बड़े इमारतें बनाने लगे, बिल्डिंग, फ्लैट की सुविधाएं मिलने लगे। मगर क्या कभी सोचा कि इतने बड़े ग्राउंड में लगे जितने पेड़ थे वह कितना शुद्ध हवा देता होगा। कितना प्राकृतिक माहौल होगा यहां का। हम लोगों ने पेड़ काटे। ग्लोबल वार्मिंग की तथा पृथ्वी को भी इससे अपूर्णिय छती हुई। मगर इतना कुछ रहते हुए भी, इतने कष्टों में भी यह हमें जीवित रखने का काम करती है। यह पेड़ पौधे से ही हम अपने घरों का चूल्हा जलाते हैं। इसी पेड़ पौधे की लकड़ी से बने पन्ने पर हम पढ़ाई कर विद्वान होते हैं। इसी पेड़ पर लगे फल को खाकर हम बड़े होते हैं तथा इसी पेड़ की लकड़ी से बने पलंग व अलमारी से अपने घरों को सौंदर्य रूप देते हैं।

डिजिटल भारत का एक दशक

- श्री नरेंद्र मोदी

दस साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था। जहाँ दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे की नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया। जहाँ दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और ग़रीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया। जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है।

यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ। 2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं।

आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है।

डिजिटल डिवाइड को पाटते हुए

2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है। भारत का 5त्र रोलआउट विश्व में सबसे तेज़ रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुँच चुका है। इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने UPI जैसे प्लेटफार्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गयी है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपये की लीकेज रोकी गई है। स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे वर्षों से चली आ रही भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है।

सभी के लिए अवसरों का लोकतंत्रीकरण

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक स्स्स्श्वह्य और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है। ONDC (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है। त्वद्गरू (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) आम आदमी को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है बल्कि सरकार की बचत भी होती है। कल्पना कीजिए- आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है। आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। आप GeM पर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के माध्यम से इसे और बड़ा बनाते हैं। ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है- जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ 6 महीनों में हुए हैं। बनारसी बुनकरों से लेकर नागालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के पूरे देश में ग्राहक तक पहुँच रहे हैं। GeM ने 50 दिनों में एक लाख करोड़ रुपये का GMV पार किया है, जिसमें 22 लाख विक्रेता शामिल हैं, जिनमें 1.8 लाख से अधिक महिला संचालित स्स्स्श्वह्य हैं, जिन्होंने 46,000 करोड़ रुपये की आपूर्ति की है।

डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत का वैश्विक योगदान

भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI)- जैसे आधार, CoWIN, डिजिलॉकर, फास्टैग, पीएम-WANI, और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन- को अब वैश्विक स्तर पर पढ़ा और अपनाया जा रहा है। CoWIN ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम किया, जिससे 220 करोड़ त्तक्र-सत्यापित सर्टिफिकेट जारी हुए। DigiLocker, जिसके 54 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से होस्ट कर रहा है। भारत ने अपनी G20 अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल DPI रिपॉजिटरी और 25 मिलियन का सोशल इम्पैक्ट फंड लॉन्च किया, जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देश समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपना सकें।

स्टार्टअप पॉवर और आत्मनिर्भर भारत

भारत अब विश्व के शीर्ष 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहींहै, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है। भारत में युवाओं के बीच AI स्किल्स और AI टैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है। .1.2 बिलियन इंडिया AI मिशन के तहत भारत ने 34,000 GPUs की पहुँच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है —.1 से भी कम प्रति GPU Hour. इससे भारत न केवल सबसे सस्ता इंटरनेट इकोनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है। भारत ने मानवता-पहलेद्ध की वकालत की है। नई दिल्ली डिक्लेरेशन ऑन AI जिम्मेदारी के साथ नवाचार को बढ़ावा देता है। देशभर में AI सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं।

आगे का रास्ता

अगला दशक और भी अधिक परिवर्तनकारी होगा। हम डिजिटल गवर्नेंस से आगे बढ़कर वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं — इंडिया फर्स्ट से इंडिया फॉर द वर्ल्ड तक। डिजिटल इंडिया अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, यह जनआंदोलन बन चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का केंद्र है, और भारत को दुनिया का विश्वसनीय नवाचार साझेदार बना रहा है। सभी इनोवेटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, और ड्रीमर्स से-दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है। आइए हम वह बनाएं जो सशक्त बनाता है। आइए हम ऐसे हल निकालें जो वास्तव में मायने रखता है। आइए हम उस तकनीक के साथ नेतृत्व करें जो यूनाइट , इन्क्लुड़े और अपलिफ्ट करती है।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें
संपादक
दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)
मोबाईल न.- 7500581414,9359555222
Email: indiawarta@gmail.com

जिला प्रशासन की संजीवनी से नये स्वरूप में लौटा मायाकुंड सामुदायिक केन्द्र; स्वतः संचालन शुरू

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । मायाकुण्ड सामुदायिक केन्द्र अब नए रूवरूप विकसित हो गया है। जिसका स्वतः संचालन शुरू कर दिया गया है। जिलाधिकारी सविन बसंल के संज्ञान में मामला आते ही डीएम ने प्रशासक रहते 43 लाख स्वीकृत किये थे। सामुदायिक केन्द्र की बहुउपयोगिता बच्चों की शिक्षा, महिला सारक्षरता, महिला कौशल की गतिविधिति संचालित हो होती है। पैरा खिलाड़ी नीरजा गोयल देवभूमि चेरीटेबल ट्रस्ट डीएम से मिली तथा अपनी बात उनको बताई कि उनके द्वारा भी सांयकालीन महिला सिलाई प्रशिक्षण एवं स्थानीय बच्चों को रेमेडियल टीचिंग करायी जाती है तथा इस भवन को उपयोग में लाया जा रहा है, उन्होंने भवन मरम्मत का डीएम से अनुरोध किया। जिस पर डीएम ने टीम भेजकर भूमि की जानकारी तथा आंगणन प्राप्त करते हुए कार्य स्वीकृति प्रदान की गई।

जिला प्रशासन की संजीवनी से मायाकुंड सामुदायिक केन्द्र; नये स्वरूप में लौट आया है जिसका संचालन शुरू हो गया है। मा0 मुख्यमंत्री की जन कल्याणभावना से प्रेरित; डीएम के जनहित में लिए गए निर्णय जनमानस कल्याण को समर्पित हैं। पैरालम्पिक दिव्यांग, खिलाड़ी द्वारा दिव्यांगों के इलाज और बच्चों के पठन-पाठन हेतु सहायता निवेदित थी। देवभूमि चेरिटेबल ट्रस्ट संचालिका पैरा खिलाड़ी नीरजा गोयल के अनुरोध पर व्यापक जनहित, दृष्टिगत प्रशासक रहते डीएम ने सामुदायिक केन्द्र मायाकुण्ड की मरम्मत को 43 लाख फंड स्वीकृत करते हुए त्वरित कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिए गए थे। केन्द्र में महिला साक्षरता, कौशल विकास, बाल शिक्षा, आदि गतिविधियां संचालित की जाएंगी। सामुदायिक केन्द्र की बहुउपयोगिता के दृष्टिगत डीएम ने निगम के प्रशासक रहते इसका निर्णय लिया था। देवभूमि चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा सांयकालीन महिला सिलाई प्रशिक्षण,स्थानीय बच्चों को रेमेडियल पढाई जाती है।

सामुदायिक केन्द्र मायाकुण्ड जो नगर निगम ऋषिकेश की सम्पत्ति है। इस सामुदायिक केन्द्र में निकटवर्ती वार्ड मायाकुण्ड, चन्द्रेश्वर नगर, भैरव मन्दिर आदि के स्थानीय नागरिकों द्वारा सामुदायिक कार्य सम्पादित किये जाते हैं। सामुदायिक केन्द्र मायाकुण्ड अत्यधिक जीर्णशीर्ण स्थिति में था जिस कारण स्थानीय लोगों को अपने सामुदायिक कार्यों को करने में कठिनाई उत्पन्न हो रही है, जिसका डीएम ने संज्ञान लेते हुए भवन का जीर्णोद्धार कराया। अब सामुदायिक भवन तैयार है जिसका संचालन शुरू हो गया है तथा बाहरी उपरी परिसर पर निर्माण कार्य गतिमान है।

स्कुष्ट के रक्तदान शिविर में 56 यूनिट रक्त एकत्र; डॉ. अनिल वर्मा 'रक्तदाता प्रेरक' सम्मान से विभूषित

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । भारतीय जीवन बीमा निगम, कनाट प्लेस, देहरादून ने अपने 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर ऑल इंडिया इंश्योरेंस एंप्लॉयज एसोसिएशन, वीरा फाउंडेशन, टाटा मेडिकल कंसल्टेंसी और आईएमए ब्लड बैंक के सहयोग से एक निःशुल्क चिकित्सा जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में कुल 56 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जबकि 120 से अधिक लोगों ने निःशुल्क चिकित्सा जांच का लाभ उठाया।

इस अवसर पर, 155 बार रक्तदान कर चुके रक्तदाता शिरोमणि डॉ. अनिल वर्मा को "रक्तदाता प्रेरक सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन" से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान स्कुष्ट के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक सतीश शर्मा, वीरा फाउंडेशन के संस्थापक विनोद डोभाल, टाटा मेडिकल कंसल्टेंसी के प्रांशु कुकरेती, आईएमए ब्लड बैंक के चिकित्साधिकारी डॉ. दिव्यांश राणा और देहरादून डिवीजन इंश्योरेंस यूनियन के महासचिव नंदलाल शर्मा ने प्रदान किया।

वरिष्ठ प्रबंधक सतीश शर्मा ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे एक महान पुण्य का कार्य बताया। वीरा फाउंडेशन के संस्थापक विनोद डोभाल ने रक्तदान को पूजा के समान बताया। डॉ. अनिल वर्मा ने रक्तदान की आवश्यकता और लाभों पर जोर देते हुए महिलाओं से भी बढ़-चढ़कर रक्तदान करने का आग्रह किया। शिविर को सफल बनाने में मेजर प्रेमलता वर्मा, रितु डोभाल, डॉ. दिव्यांश राणा और उनकी टीम सहित कई अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उपस्थित कर्मचारियों ने नियमित रक्तदान करने का संकल्प लिया।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर कार्मिकों का हुआ पहला रेन्डमाइजेशन

देहरादून जिले के 1090 पोलिंग बूथों के लिए चयनित हुए पीठासीन और प्रथम मतदान अधिकारी।

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । जिला निर्वाचन अधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर उप जिला निर्वाचन अधिकारी/नोडल अधिकारी कार्मिक अभिनव शाह की अध्यक्षता में 01 जुलाई को मतदान कार्मिकों का सॉफ्टवेयर के माध्यम से पहला रेंडमाइजेशन किया गया। इसमें जिले के 14 हजार पात्र कार्मिकों के पूर्ण डेटाबेस से 25 प्रतिशत रिजर्व सहित 7560 कार्मिकों का चयन किया। इसमें पीठासीन अधिकारी और प्रथम मतदान अधिकारी शामिल है। देहरादून जनपद के 06 विकास खंडों में कुल 1090 मतदेय स्थल है। पहले रेंडमाइजेशन के तहत 1512 मतदान दल बनाए गए है, जिसमें 7560 कार्मिकों का चयन किया गया है। चयनित पीठासीन अधिकारियों को 06 जुलाई और प्रथम मतदान अधिकारियों को 07 जुलाई को पहला प्रशिक्षण दिया जाएगा। मतदान कार्मिकों के दूसरे रेंडमाइजेशन में पार्टी गठन के साथ ब्लॉक आवंटित किए जाएंगे। प्रत्येक पोलिंग पार्टी में द्वितीय कार्मिक के रूप में महिला कार्मिक की भी तैनाती की जाएगी। पारदर्शिता के लिए रेंडमाइजेशन प्रक्रिया की पूरी वीडियो एवं फोटोग्राफी भी की गई। कार्मिकों के रेंडमाइजेशन के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी रणजीत सिंह चौहान, एडीआईओ अंकुश पांडेय, डीटीडीओ बृजेन्द्र पांडेय आदि मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

ऋषिकेश(इंडिया वार्ता ब्यूरो)। तीर्थनगरी ऋषिकेश में मंगलवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न संगठनों ने नगर के चिकित्सकों को सम्मानित किया। राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संगठन की ओर से चिकित्सालय के सभी चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले चिकित्सकों में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. यूएस खरोला, डॉ. मुकेश कुमार पांडे, डॉ. रामकुमार, डॉ. अमित रौतेला, डॉ. रोहित उपाध्याय आदि शामिल रहे। मौके पर संगठन के अध्यक्ष डॉ. विकास धस्माना, सचिव मोहनलाल चमोली, मुख्य फार्मेसी अधिकारी आरएस खत्री, प्रवेश रतूड़ी, गब्बर सिंह रावत, मेट्रन निर्मला मैसी, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर पूनम त्यागी आदि उपस्थित रहे। उधर, देहरादून रोड स्थित नेगी आई केयर सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में ग्राफिक एरा हॉस्पिटल के जन सम्पर्क अधिकारी गौरव उनियाल ने नेगी आई केयर सेंटर संचालक डा. राजे सिंह नेगी को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. राजे नेगी पिछले एक दशक से लगातार ऋषिकेश एवं आसपास के क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा करते रहे है। कहा कि प्रत्येक वर्ष एक जुलाई को भारत में डाक्टर्स डे मनाया जाता है। इस दिन महान फिजिशियन और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र राय की जन्मतिथि और पुण्यतिथि भी है। इसलिए इसी दिन चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। मौके पर अर्णव कोटियाल,भुवनेश्वर भारद्वाज, मनोज नेगी, मानसी कुमारी, अलका बिष्ट आदि उपस्थित रहे। धरती पर भगवान का स्वरूप हैं चिकित्सक- चिदानंद परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज ने सभी चिकित्सकों और देशवासियों को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि चिकित्सक केवल पेशेवर ही नहीं होते, वे करुणा, सेवा और समर्पण की प्रतिमूर्ति होते हैं। वे जीवन के रक्षक और मानवता के प्रहरी हैं। उनके बिना एक स्वस्थ, समर्थ और सशक्त समाज की कल्पना अधूरी है। कहा कि डॉक्टर्स केवल दवाइयों से ही नहीं, अपने शब्दों, स्पर्श और संवेदना से भी उपचार करते हैं। वे न केवल जीवन बचाते हैं, बल्कि टूटती हुई आशाओं को फिर से संजीवनी देते हैं। वे वास्तव में धरती पर भगवान का रूप हैं।

निशिकांत दुबे ने फिर कांग्रेस को घेरा, सीआईए-केजीबी फंडिंग मामले में जांच के लिए न्यायिक आयोग की मांग

नई दिल्ली,एंजेंसी।भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला करते हुए दावा किया है कि पार्टी को कई दशकों तक अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए और सोवियत संघ की केजीबी से फंडिंग मिलती रही। दुबे ने इस मामले की न्यायिक जांच आयोग से जांच कराने की मांग की और इसे भारतीय लोकतंत्र और संप्रभुता पर एक गंभीर हमला करार दिया।निशिकांत दुबे ने कहा 1947 से लेकर 2014 के बीच, कांग्रेस ने अपने शासनकाल में विदेशी ताकतों के इशारों पर काम किया। केजीबी और सीआईए जैसे विदेशी खुफिया संगठनों से पार्टी के शीर्ष नेता फंडिंग लेते रहे और उन्हीं के अनुसार देश की नीतियां बनती रहीं। केवल अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार (1998-2004) को छोड़ दें तो यह देश हमेशा विदेशी फंडिंग और एजेंडे पर चला। अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए दुबे ने बताया कि उन्होंने हाल ही में दो %एक्स% पोस्ट किए थे जिनमें कांग्रेस और उसके नेताओं की कथित विदेशी फंडिंग से जुड़ी जानकारी साझा की गई।

अपने एक्स पोस्ट में दुबे ने दावा किया कि 'आयरन लेडी' इंदिरा गांधी ने शिमला समझौते के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को पत्र लिखकर अमेरिका से संबंध सुधारने का आग्रह किया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि निक्सन और उनके सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर के बीच एक फोन वार्तालाप में करीब 300 करोड़ रुपए की सहायता की चर्चा हुई थी।

उन्होंने आगे कहा कि 10 मई 1979 को राज्यसभा में हुई बहस में तत्कालीन गृह मंत्री चंपत पटेल ने अमेरिकी राजदूत डेनियल मोयनिहान की किताब का हवाला देते हुए स्वीकार किया था कि अमेरिका ने कांग्रेस को दो बार चंदा दिया। एक बार केरल में कम्युनिस्ट सरकार को हटाने के लिए और दूसरी बार लोकसभा चुनाव लड़ाने के लिए। दुबे ने कहा कि यह उस समय के फेरा (अब पीएमएलए) कानून का स्पष्ट उल्लंघन था।

इस पूरे नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण कड़ी रॉ अधिकारी रविंद्र सिंह को बताया गया, जो दुबे के अनुसार सीआईए के भी एजेंट थे। दुबे ने आरोप लगाया कि 2004 में जब मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, तो उसी वर्ष रविंद्र सिंह को अमेरिका भगा दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि 2005 से 2014 तक भारत सरकार ने उसे वापस लाने के लिए कोई प्रयास क्यों नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि रविंद्र सिंह की सीआईए और अमेरिकी राजदूत मोयनिहान से बातचीत के सबूत मौजूद हैं, जिससे यह प्रतीत होता है कि कांग्रेस को फंडिंग इसी चैनल से मिलती रही।

भाजपा सांसद ने कहा कि उन्होंने जब नरेंद्र मोदी की सरकार 2014 में बनी, तब रविंद्र सिंह की अमेरिका में मौजूदगी आखिरी बार दर्ज हुई। लेकिन 2015-16 में उसकी मौत हो गई, जिसे मैं एक साजिश मानता हूं। उन्हें डर था कि अगर मोदी सरकार ने रविंद्र सिंह को भारत बुलाया, तो पूरी सच्चाई उजागर हो जाएगी। दुबे ने यह भी दावा किया कि सोवियत संघ ने भारत में 16 हजार से ज्यादा खबरें अपने एजेंडे के अनुसार प्रकाशित करवाईं, मीडिया संस्थानों को खरीदा गया और पत्रकारों, नौकरशाहों व व्यापारिक संगठनों को भी फंडिंग दी गई। यहां तक कि महिला प्रेस क्लब का निर्माण भी सोवियत एजेंडे का हिस्सा था। यहां के नौकरशाहों के बच्चे विदेशों में पढ़ते थे और खुद अधिकारी सरकारी खर्चे पर घूमने जाते थे।

अपनी बातचीत में दुबे ने एक और उदाहरण दिया कि सुभद्रा जोशी, जो कांग्रेस की नेता थीं, उन्हें जर्मन फंडिंग के तहत 5 लाख रुपए दिए गए थे। जब वे चुनाव हार गईं तो उन्हें इंडो जर्मन फोरम का अध्यक्ष बना दिया गया।

वहीं, कांग्रेस की ओर से भाजपा पर लगाए जा रहे आरोपों के जवाब में दुबे ने कहा कि हमें सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। सबको पता है कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2027 तक तीसरे स्थान पर होगा। लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस ने कैसे देश को विदेशियों के हाथों गिरवी रखा और उसके बदले में फंडिंग ली?

भाजपा सांसद ने आगे कहा कि अब वक्त आ गया है कि एक स्वतंत्र न्यायिक आयोग गठित किया जाए जो 1947 से लेकर 2014 तक कांग्रेस की कथित विदेशी फंडिंग की पूरी जांच करे। उन्होंने कहा कि इस आयोग को यह भी जांच करनी चाहिए कि कौन-कौन नेता, अधिकारी और सांसद इसमें शामिल थे, और इस विदेशी पैसे के दम पर किस प्रकार भारत की नीति, मीडिया, और शासन प्रणाली को प्रभावित किया गया।

धर्म की आड़ में पैसा लेने वाले कथावाचक और मौलवी से दूरी बनाएं : शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी

बरेली,एंजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा रविवार को कथावाचकों पर दिए गए बयान पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि धर्म की आड़ में पैसा लेने वाले कथावाचक और मौलवी से समाज के लोग दूरी बनाए।

शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने मंगलवार को कहा कि अखिलेश यादव ने कथावाचकों के बारे में एक बयान दिया और उसमें एक कथावाचक का नाम लिया। उनका यह बयान पूरी तरह सच है। मैं सामान्य तौर पर अखिलेश यादव का समर्थन नहीं करता, क्योंकि वह हमेशा सच नहीं बोलते। लेकिन, इस बार उन्होंने सच बोला है, इसलिए मैं इस बयान का समर्थन करता हूं।

उन्होंने कहा कि चाहे हिंदू कथावाचक हों, मुस्लिम जलसों में भाषण देने वाले मौलवी हों, या फिर शायर हों, ये तीनों तरह के लोग पेशेवर (प्रोफेशनल) हैं। ये बिना पैसे तय किए किसी कार्यक्रम में नहीं जाते। इन लोगों ने अपनी निजी सुरक्षा रखी है, जो उनका पैसा तय करता है। इसके बाद ही उन्हें कार्यक्रम की तारीख मिलती है। ये पहले पैसे लेते हैं।

बरेलवी ने कहा कि ये लोग धर्म के नाम पर पैसे वसूल रहे हैं और अपनी कमाई के लिए काम कर रहे हैं। इन्होंने धर्म का लेबल लगाकर पेशेवर तरीके से कमाई का धंधा शुरू किया है। ये आम लोगों को और समाज को धोखा दे रहे हैं। 95 प्रतिशत लोग इसी तरह का काम करते हैं।

मौलाना ने कहा कि ये लोग धर्म के नाम पर दुनियादारी कर रहे हैं, अपने चेहरे और लिबास पर धर्म का टाइटल लगा रखा है, और इसकी आड़ में न जाने कौन-कौन से दुनियादारी दारी के काम अंजाम दे रहे हैं। इनका दावा खोखला और समाज को भ्रमित करने वाला है। रजवी ने कहा कि पांच फीसदी अच्छे लोग भी हैं जो कि बिना पैसे के कार्यक्रमों में जाते हैं। ऐसे लोगों को बुलाया जाना चाहिए जिससे दीन और धर्म के नाम पर चल रहा धंधा बंद हो। ऐसे अच्छे लोगों को अपने कार्यक्रमों में बुलायें, ताकि समाज में अच्छा पैगाम जाए और उनके माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर किया जा सके।

मौलाना ने कहा कि कुछ लोग धर्म के नाम पर सिर्फ दिखावा करते हैं। उनके दावे खोखले हैं और समाज को गुमराह करते हैं। रजवी ने कहा कि 5 फीसदी लोग अच्छे भी हैं, जो बिना पैसे के कार्यक्रमों में जाते हैं। हमें ऐसे लोगों को बुलाना चाहिए ताकि धर्म के नाम पर चल रहा धंधा बंद हो। अच्छे लोगों को अपने कार्यक्रमों में शामिल करें ताकि समाज में अच्छा संदेश जाए और बुराइयों को दूर किया जा सके।

बता दें, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इटावा में कथावाचकों के साथ हुई बदसलूकी पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि देश में कई कथावाचक 50 लाख रुपए फीस लेते हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी की औकात नहीं कि वह धीरेंद्र शास्त्री को कथा के लिए बुला सके। अखिलेश ने आगे कहा कि धीरेंद्र शास्त्री को घर पर कथा के लिए बुलाइए, वह मोटी रकम लेते हैं। आप पता करें कि उनकी कथा की फीस कितनी है।

बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल में लगी आग, 26 मरीजों को निकाला गया

बेंगलुरु,एंजेंसी। बेंगलुरु के सरकारी विक्टोरिया अस्पताल में मंगलवार को आग लगने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि अस्पताल के बर्न वार्ड में अचानक आग लग गई, जिसके बाद सभी 26 मरीजों को सुरक्षित दूसरे ब्लॉक में शिफ्ट किया गया। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, मंगलवार तड़के करीब 3 बजे स्विचबोर्ड में शॉर्ट सर्किट की वजह से बर्न वार्ड में आग लगी। इस घटना में एक बिस्तर, रजिस्टर बुक और अन्य उपकरण जलकर खाक हो गए।

आग और धुएं ने बर्न वार्ड के ग्राउंड फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया। रात के समय ड्यूटी पर तैनात डॉ. दिव्या ने सबसे पहले आग और धुआं देखा और तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने सभी 26 मरीजों को एच ब्लॉक के दूसरे वार्ड में सुरक्षित पहुंचाया।

अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि घटना के समय बर्न वार्ड में 14 पुरुष, पांच महिलाएं और सात बच्चे भर्ती थे। पुलिस ने बताया कि डॉ. दिव्या ने सुबह करीब 3.30 बजे अस्पताल के सेमिनार हॉल में आग और धुआं देखा। उन्होंने तुरंत अपने सहयोगियों को सूचित किया और मरीजों को निकालने की प्रक्रिया शुरू की।

उन्होंने अस्पताल के अधीक्षक को फोन किया और पुलिस व फायर कंट्रोल रूम को भी सूचना दी। 30 मिनट के अंदर सभी मरीजों को सुरक्षित स्थानांतरित कर दिया, जिनमें आईसीयू में भर्ती मरीज भी शामिल थे। फायर और इमरजेंसी सर्विसेज की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

इससे पहले, 19 फरवरी, 2024 को बेंगलुरु के पास एक परफ्यूम गोदाम में भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना बेंगलुरु के पश्चिमी बाहरी इलाके रामसमुद्र में गोदाम में हुई थी।

20 मार्च, 2024 को बेंगलुरु के जे.पी. नगर में एक परिवार के तीन लोगों की आग लगने से मौत हो गई थी, जिसमें एक मां और उसके दो बेटे शामिल थे।

इसके अलावा, 1 मई को बेंगलुरु में गैस सिलेंडर लीक होने से लगी आग में एक व्यक्ति और उसके पड़ोसी की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे।

मदनायकनहल्ली पुलिस ने एलपीजी सिलेंडर लीक होने के आरोप में एक पीड़ित के 18 वर्षीय बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

अंतर्राज्जीय नकबजन गिरोह आया दून पुलिस की गिरफ्त में

अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई नकबजनी की दो अलग-अलग घटनाओं को दून पुलिस ने किया खुलासा

गिरोह के सरगना सहित 03 अभियुक्तों को दून पुलिस ने किया गिरफ्तार

अभियुक्तों के कब्जे से अलग-अलग घटनाओं में चोरी की गयी लगभग 08 लाख रू0 मूल्य की ज्वैलरी व अन्य सामान हुआ बरामद

अभियुक्तों द्वारा सुनियोजित तरीके दिया जाता था घटनाओं को अंजाम, घटना से पूर्व घटना स्थल व आने-जाने वाले रास्तों की करते थे पूर्ण रैकी

पकडे जाने के डर से घटना में चोरी की गयी सम्पत्ति को झांसी ले जाकर देते थे बेच

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। दिनांक 24/06/2025 को श्री हिमांशु नेगी पुत्र स्व0 श्री त्रिलोक सिंह नेगी निवासी शिवा कॉलोनी, पांवटा रोड़, हरबर्टपुर ने थाना विकासनगर आकर शिकायत दर्ज करायी कि वो अपने परिवार के साथ अपने पैतृक गांव जनपद अल्मोडा गये थे, जब वापस घर आये तो घर का सारा सामान बिखरा हुआ था। घर में रखी ज्वैलरी व नगदी अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली थी। तहरीर के आधार पर थाना विकासनगर पर मु0अ0सं0 187/2025 धारा-305(ए) भा0न्या0सं0 का अभियोग पंजीकृत किया गया।

घटना के अनावरण तथा अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा कोतवाली विकासनगर पर टीम गठित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। गठित टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेजों का बारीकी से अवलोकन करते हुए संदिग्ध के सम्बन्ध में जानकारियां एकत्रित की गई तथा सीसीटीवी कैमरों से प्राप्त संदिग्धों के हुलिये से मुखबिर को को

अवगत कराते हुए सक्रिय किया गया। साथ ही पूर्व में नकबजनी की घटनाओं में प्रकाश में आये अभियुक्तों की वर्तमान स्थिती की जानकारी कर उनका भौतिक सत्यापन किया गया।

दिनांक-30-01/07/2025 की देर रात्रि झाडूवाला चौक के पास स्थित बगीचे में संदिग्ध रूप से घूम रहे 03 व्यक्तियों को रोककर पुलिस द्वारा उनसे पूछताछ की गयी तो उनके द्वारा अपना नाम 1- स्वतंन्त्र शर्मा, 2- अमित कुशवाह और 3- आकाश विश्वकर्मा मूल निवासी झांसी उत्तर प्रदेश हाल किरायेदार हरबर्टपुर, विकासनगर बताया गया। तीनो व्यक्तियों से देर रात्रि में घूमने के सम्बन्ध में सख्ती से पूछताछ करने पर उनके द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देने की फिराक मे घूमने की बात बताई गई, साथ ही कुछ दिन पूर्व विकासनगर क्षेत्र में हरबर्टपुर तथा सहसपुर क्षेत्र के धर्मावाला में 02 बंद घरों में हुई चोरी की घटनाओं को अजांम देना स्वीकार किया गया तथा उक्त घटनाओं में चोरी किये गये माल को हरबर्टपुर स्थित अपने किराये के कमरे में छिपाने की बात बताई गयी, जिस पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों की निशानदेही पर उनके हरबटपुर स्थित किराये के कमरे से उक्त दोनो घटनाओं में चोरी की गई ज्वैलरी, नगदी व अन्य सामान बरामद किया गया। तीनों अभियुक्तों को पुलिस द्वारा मौके से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ का विवरण:-

पूछताछ में मुख्य अभियुक्त स्वतंत्र शर्मा द्वारा बताया गया कि वह करीब 02 वर्ष पूर्व नेटवर्किंग बिजनेस के लिये झांसी से हरबर्टपुर आया था, जहां कम्पनी द्वारा उसे एक कमरा किराये पर दिलवाया गया था। करीब 6 महीने काम करने के बाद कोई बडी इनकम न होने पर उसके द्वारा नेटवर्किंग का कार्य छोड़ दिया तथा सरकारी नौकरी की तैयारी करने लगा। इस दौरान पैसों की दिक्कत होने पर उसके द्वारा छोटी मोटी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया, जिसमें कम मेहनत में ज्यादा पैसा मिलने पर उसके द्वारा अपने साथ पढ़ने वाले आकाश, जो कि झांसी में मजदूरी का काम करता था, को साथ मिलकर घटनाओं को करने के लिये तैयार कर लिया तथा अपने एक अन्य परिचित अमित कुशवाह को भी झांसी से अपने साथ हरबर्टपुर ले आया, जहां वो तीनों एक रूम पर रहकर दिन के समय बंद घरों की रेकी करते थे तथा घरों को चिन्हित कर आने जाने वाले सभी रास्तों की पूर्ण जानकारी कर लेते थे तथा रात्रि में गैती व सबब्ल की सहायता से घर का ताला तोड़कर घरों में चोरी की घटना को अंजाम देते थे। घटनाओं में चोरी किये गये सामान को अभियुक्त अपने कमरे में रखते थे तथा मौका देखकर उनमें से एक अभियुक्त चोरी के सामान को झांसी ले जाकर बेच देता था। अभियुक्तों द्वारा अन्य राज्यों में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जाना प्रकाश में आया है, जिसके सम्बन्ध में जानकारी की जा रही है।

विवरण गिरफ्तार अभियुक्त :-

1- स्वतंन्त्र शर्मा पुत्र अनिल कुमार निवासी ग्राम पडपवाह, थाना टोडी फतेहपुर, जिला झांसी, उ0प्र0, उम्र 23 वर्ष

2- अमित कुशवाह पुत्र हर्ष कुशवाह निवासी नियर काशीरमा पार्क ,बालाजी पुरम कॉलोनी, थाना कन्टहीपा गंज, झांसी उ0प्र0, उम्र 19 वर्ष

3- आकाश विश्वकर्मा पुत्र संतोष विश्वकर्मा, निवासी निकट कांरोन्दी माता मन्दिर, आजादनगर, थाना रक्षा, जिला झांसी उ0प्र0, उम्र 24 वर्ष

बरामदगी-

1- घटनाओं में चोरी की गई लगभग 08 लाख रू0 मूल्य की ज्वैलरी, प्रतिमांये व अन्य सामान।

2- 4500/- रुपये नगद

आपराधिक इतिहास -

1- मु0अ0सं0- 187/2025 धारा-305(ए) भा0न्या0सं0, थाना विकासनगर, देहरादून

2- मु0अ0सं0- 140/2025 धारा 305 भा0न्या0सं0, थाना सहसपुर, देहरादून

नोट - अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

गिरफ्तारी टीम :-

1- उ0नि0 सनोज कुमार, चौकी प्रभारी हरबर्टपुर

2- का0 बृजपाल

3- का0 संजय कुमारव

4- का0 अनिल सालार,

5- का0 चमन चौहान

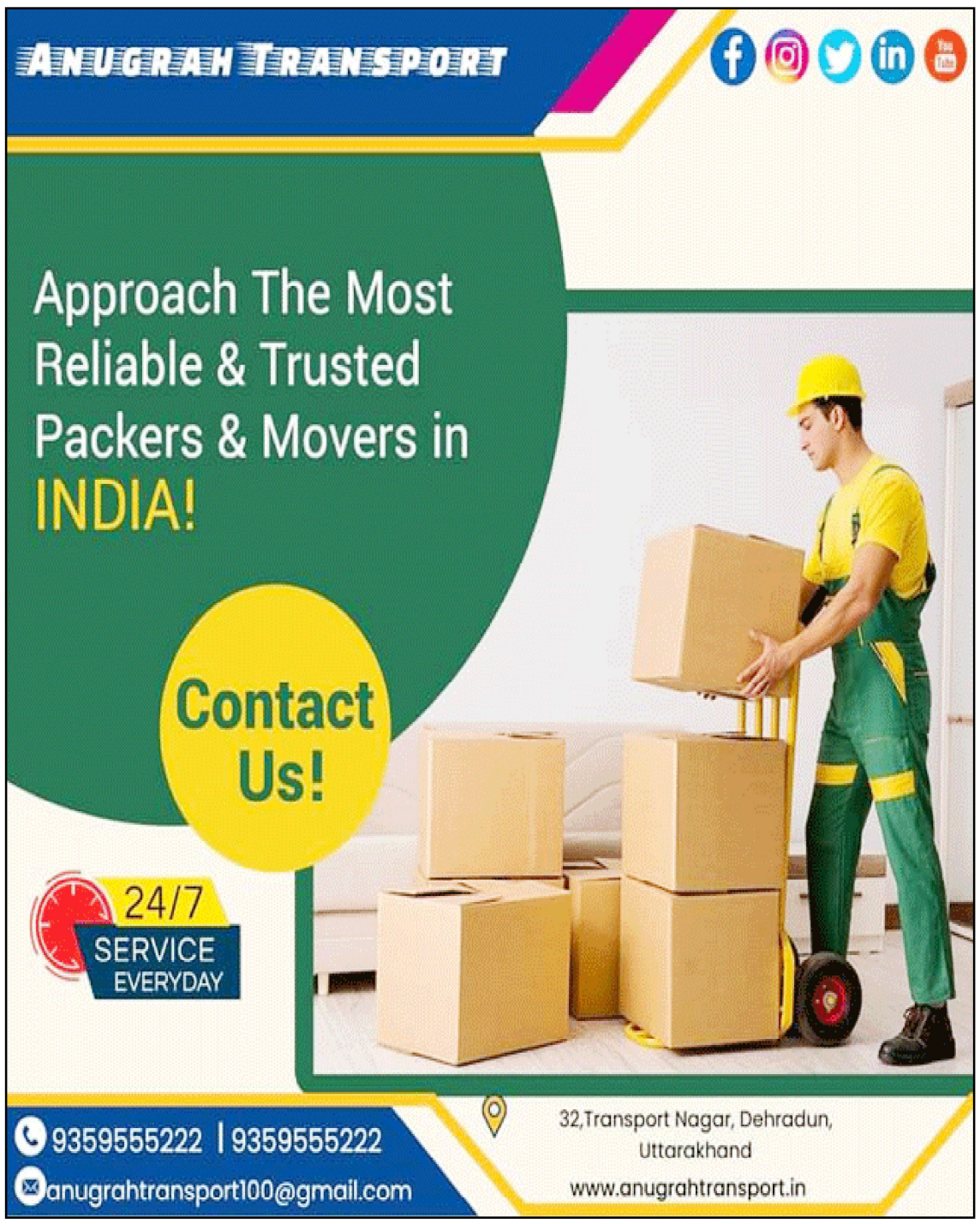

सरकारी सेवा के दौरान अपनी कार्य दक्षता व व्यवहार से ही सफलता मिलती है : डा0 एस0के0 उपाध्याय

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। दिनांक 01.07.2025- सरकारी सेवा के दौरान अपनी कार्य दक्षता व व्यवहार से ही सफलता मिलती है यह बात परियोजना निदेशक जलागम प्रबन्धक नैनीताल डा0 एस0के0 उपाध्याय ने मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री बृजेश कुमार जो 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हो रहे है कि विदाई समारोह में कही। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्री बृजेश ने जिस दक्षता से साथ अपने कार्यो का निर्वहन किया वह हम सबके लिए अनुकरणीय है। हम उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ्य जीवन की कामना करते है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अपने सेवाकाल के दौरान जिस समर्पण व ईमानदारी की साथ कार्य किया है उसे विभाग हमेशा याद रखेगा। इस दौरान विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह् भेंट कर सम्मानित किया।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

पिछले काफी समय से बॉलीवुड की ट्रैजडी क्वीन मीना कुमारी की जिंदगी को बड़े पर्दे पर लाने की चर्चा हो रही है, जिसके लिए मुख्य अभिनेत्री से जुड़ी नई-नई खबरें सामने आती रहती हैं। पहले मीना की भूमिका के लिए कृति सैनन से सपंर्क किया गया था। चर्चा थी कि वह फिल्म के लिए हामी भी भर चुकी हैं। अब ताजा खबर यह है कि मीना की बायोपिक के लिए अभिनेत्री कियारा आडवाणी से संपर्क किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, मीना की बायोपिक की हीरोइन कियारा होंगी। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने उनसे संपर्क किया है। निर्माताओं ने कियारा को फिल्म की स्क्रिप्ट सुना दी है। कहा जा रहा है कि अभिनेत्री को फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है। निर्माताओं का मानना है कि मीना की भूमिका के लिए कियारा सही विकल्प हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान फिल्म महाराज के निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने संभाली है।

काम के मोर्चे पर बात करें तो किराया जल्द ही फिल्म वॉर 2 में नजर आएंगी। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यानी 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा कियारा के पास फिल्म टॉक्सिक भी है, जिसके हीरो सुपरस्टार यश हैं। बता दें कियारा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। वे जल्द ही मां बनने वाली हैं।

वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे पर अपनी त्वचा को दें कैलिफोर्निया आमंड्स का पोषण

देहरादून । वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे 2025 की थीम इस बार है, त्वचा की सेहत के बिना संपूर्ण स्वास्थ्य संभव नहीं, जो इस बात पर जोर देती है कि स्किन केयर सिर्फ क्रीम और लोशन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत हमारे खान-पान से होती है। कैलिफोर्निया आमंड्स, जो विटामिन ई और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं, त्वचा को अंदर से पोषण देकर इसे स्वस्थ और दमकता बनाए रखने में मदद करते हैं। कैलिफोर्निया आमंड्स 15 जरूरी पोषक तत्वों का बेहतरीन स्रोत हैं, जिनमें से कई त्वचा की रंगत और बनावट सुधारने में असरदार माने जाते हैं। इनमें मौजूद विटामिन ई और हेल्दी फैट्स त्वचा को उम्र के असर से बचाने वाले एंटी-एजिंग गुणों से भरपूर होते हैं। रिसर्च से यह भी सामने आया है कि नियमित रूप से बादाम खाने से चेहरे की झुर्रियों को कम किया जा सकता है। यानी ब्यूटी रूटीन में बादाम को शामिल करना आसान और असरदार तरीका हो सकता है। केवल आधुनिक पोषण विज्ञान ही नहीं, बल्कि आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां भी बादाम को त्वचा के लिए लाभकारी मानती रही हैं। सदियों पुरानी इन परंपराओं में बादाम को त्वचा की प्राकृतिक चमक बढ़ाने वाला माना गया है कृ जो आज की वेलनेस सोच से भी पूरी तरह मेल खाता है। हाल की रिसर्च में यह भी पता चला है कि रोजाना बादाम का सेवन यूवीबी किरणों से त्वचा को बचाने में मददगार हो सकता है, जो भारत जैसी तेज धूप वाले देशों में और भी उपयोगी है।

श्रीमद्भागवत कथा में गूँजा 'नारायण-नारायण', ध्रुव और जड़ भरतबुद्धिजीवी फाउंडेशन ने डॉक्टर्स डे पर देहरादून में चिकित्सकों को किया सम्मानित

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । डॉक्टर्स डे के अवसर पर बुद्धिजीवी फाउंडेशन ने देहरादून के एटलांटिस क्लब में एक भव्य समारोह का आयोजन कर उत्तराखंड के 40 से अधिक प्रतिष्ठित चिकित्सकों को उनके उत्कृष्ट योगदान और निस्वार्थ सेवा के लिए सम्मानित किया। यह आयोजन भारतीय चिकित्सा क्षेत्र के महान अग्रदूत डॉ. बी. सी. रॉय की जयंती और पुण्यतिथि की स्मृति में किया गया।

उत्तराखंड चिकित्सा विभाग के निदेशक डॉ. अशुतोष सायना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेंद्र डोभाल, हिमाचल टाइम्स की चेयरपर्सन सुश्री इंद्राणी पांधी और भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के उप महानिदेशक डॉ. हरीश बहुगुणा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

समारोह में डॉ. (ब्रिगेडियर) वाई. एस. बिष्ट, डॉ. महेश कुडियाल, डॉ. विवेकानंद सत्यावली, डॉ. दौलत सिंह, डॉ. जे. पी. शर्मा, डॉ. श्रद्धा सायना, डॉ. रंगील सिंह रैना, डॉ. नरेश गुलवानी, डॉ. विक्रम सिंह सायना, डॉ. परमार्थ जोशी, डॉ. मुकेश बिष्ट, डॉ. नितिन शर्मा, डॉ. चित्रा जोशी, डॉ. अनिल जोशी, डॉ. ललित कुमार, डॉ. नेहा महाजन, डॉ. ए. एन. पांडेय, डॉ. अंकुर जोशी और डॉ. योगेश्वरी कृष्णन जैसे चिकित्सा क्षेत्र के कई प्रमुख हस्तियों को उनके असाधारण कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन बुद्धिजीवी फाउंडेशन के महासचिव श्री हर्ष निधि शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह समारोह देहरादून के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए एक प्रेरणादायक पल साबित हुआ।

उद्यमियों के लिए आयोजित किया गया एनर्जीजर वर्कशॉप

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान देहरादून द्वारा आज व्यासनेहरी ग्रामपंचायत में weAct के अंतर्गत प्रॉजेक्ट राइस से जुड़ी 71 उद्यमियों के लिए एनर्जीजर वर्कशॉप आयोजित किया गया। इस वर्कशॉप में विभिन्न मॉडलों जैसे बिज़नेस डेवलेपमेंट, प्रोडक्ट डेवलेपमेंट, टेक्नोलॉजी, मार्केट और फाइनेंस आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वर्कशॉप का उद्देश्य प्रोजेक्ट राइस से जुड़े उद्यमियों की बिज़नेस के प्रति सोच को और अधिक प्रभावशाली बनाना था। इस अवसर पर भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान देहरादून से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर शैलेश रावत और ट्रेनर मोटीवेटर गिरधर बिष्ट द्वारा सभी मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया गया। इस वर्कशॉप के माध्यम से उद्यमियों को अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने और नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान किया गया।

दिव्य-भव्य स्वरूप में दिखने लगा देहरादून की धड़कन 'घंटाघर' अब

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । जिलाधिकारी सविन बंसल अपनी कार्यशैली के अनुसार कई करोड़ के जन सरंचनाओं के एक साथ काम उठवाए है मा0 सीएम की प्रेरणा से शहर में विभिन्न प्रमुख स्थलों के सौन्दर्याकरण निर्माण कार्य गतिमान है। जिसके अन्तर्गत देहरादून की धड़कन 'घंटाघर' अब दिव्य-भव्य स्वरूप में दिखने लगा है। डीएम की निरंतर मॉनिटिरिंग से जहां कार्यों में तेजी आई वहीं विकास योजनाएं कम समय में धरातल पर उतर रही हैं। जिलाधिकारी येनकेन बजट का प्रबन्ध करते हुए भी कार्यों को धरातल पर उतारकर मूर्तरूप देने में जुटा है।, जिनकी उनके द्वारा निरंतर मॉनिटिरिंग की जा रही है। वर्तमान में जिला प्रशासन की कार्यशैली बदली-बदली है, जिला प्रशासन जहां जनमानस के प्रति अपने कर्तव्यों को लेकर सजग है। वहीं अपने स्वच्छ प्रशासन की अपनी छवि पर कमिटमेट है। वर्तमान में जिला प्रशासन के कमिटमेंट योजनाओं की पूर्ण गारंटी बनकर उभर रहे, इसका ताजा उदाहरण पिछले कुछ महीनों में जनहित में लिए गए बड़े-बड़े निर्णय है। शहर के घंटाघर चौक को आधुनिक एवं यातायात हेतु सुगम बनाया जा रहा है, जिलाधिकारी ने चार्ज संभालते देहरादून में सुगम सुविधा एवं यातायात के लिए निरंतर प्रयास एवं मंथन से शहर के चौक चौराहों का पारम्परितक एवं पौराणिक शैली सौन्दर्गीकरण के विकसित किए जाने की कार्य योजना को धरातल पर लाने का कार्य किया। जिसके फलस्वरूप शहर के घंटाघर सहित अन्य चौक चौराहों को सौन्दर्याकृत बनाने का कार्य गतिमान है। घंटाघर के सुधारीकरण कार्यों से जहां यातायात संचालन में मदद मिलेगी वहीं, घंटाघर अपने भव्य स्वरूप से जनमानस को अपनी ओर आकर्षित करेगा तथा चौराहों पर राज्य की लोक पारम्परिक शैली में विकसित छवि पर्यटकों में राज्य के लोक संस्कृति एवं परम्परा के दर्शन कराएगी। डीएम ने चौक चौराहों का सौन्दर्यीकरण सुधार, एवं घंटाघर के कार्यों का डिजाईन, सर्वे, कान्सेप्ट तो ज्वाइनिंग के दूसरे माह ही तैयार कर लिया था जिसके लिए निरंतर धनराशि संगठित करने में लगे थे।

देहरादून में 'देवभूमि कीर्ति सम्मान 2025' का भव्य आयोजन: उत्तराखंड की 20 प्रतिभाएं सम्मानित

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से आज नगर निगम टाउन हॉल, देहरादून में %देवभूमि कीर्ति सम्मान 2025% का भव्य आयोजन किया गया। भागीरथी फिल्म एंटरटेनमेंट और मैठाणी म्यूजिक क्लास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में उत्तराखंड की 20 हस्तियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर नगर निगम देहरादून सौरभ थापलियाल थे। विशिष्ट अतिथियों में गणरत्न नरेन्द्र सिंह नेगी, पद्म श्री प्रितम भरतवाण, आचार्य डॉ. आशीष सेमवाल, श्री विनोद खंडूरी, रघुवीर बिष्ट, मीना राणा, नेहा जोशी और संगीता डोंडियाल जैसी जानी-मानी हस्तियाँ शामिल थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीरज पंत ने की।

समारोह के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और मैठाणी म्यूजिक क्लास के छात्रों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत, पर्यावरण, समाज सेवा और विभिन्न अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए उत्तराखंड की 20 प्रतिभाओं को देवभूमि कीर्ति सम्मान 2025 से नवाजा गया।

लोक गायक सौरभ मैठाणी ने इस अवसर पर बताया कि यह सम्मान समारोह हर वर्ष आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य उत्तराखंड के उत्थान और गौरव के लिए काम करने वाली प्रतिभाओं को पहचानना और सम्मानित करना है। उन्होंने विशेष रूप से पहाड़ी मिलेट्स और पहाड़ी भोजन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें उन्होंने भट्ट की दाल और भांग के औषधीय गुणों और महत्व को भी रेखांकित किया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों के लिए पहाड़ी भोजन की व्यवस्था की गई थी, जिसने पारंपरिक स्वाद का अनुभव कराया।

भागीरथी फिल्म्स एंटरटेनमेंट के संस्थापक शोभन सिंह रावत ने अपने संबोधन में बताया कि उनका यूट्यूब चैनल पूरी तरह से उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति को समर्पित है। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य अपनी संस्कृति का संरक्षण करना, नई और उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना, और इस अमूल्य सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है। उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि वे हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। यह आयोजन उत्तराखंड की कला, संस्कृति और सामाजिक उत्थान के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिसने राज्य की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सीएम धामी ने किया राष्ट्रीय डॉक्टर्स ...

ही आधारित नहीं है बल्कि ये गहरे वैज्ञानिक दृष्टिकोण, चिंतन और शोध का परिणाम भी है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आए प्रत्येक चिकित्सक से मिलकर उनसे बातचीत की तथा उन्हें सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण हेतु निरंतर प्रयासरत है। हमारा प्रयास है कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सकीय सुविधाएँ सस्ती दरों पर उपलब्ध कराई जा सकें। हमने आयुष्मान योजना के अंतर्गत अब तक करीब 58 लाख आयुष्मान कार्ड वितरित किए हैं। जिसके माध्यम से, प्रदेश के लगभग 11 लाख से अधिक मरीजों को 2100 करोड़ रुपये से अधिक के कैशलेस उपचार का लाभ प्राप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राज्य के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रहे हैं जिससे हमारे सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों को उनके जिले में ही आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हो सकेंगी। इनमें से पाँच मेडिकल कॉलेज पहले से ही संचालित किए जा चुके हैं, जबकि दो और मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है 7देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी विभाग भी स्थापित किए गए हैं, जहाँ कार्डियोलॉजी, न्यूरोसर्जरी और यूरोलॉजी जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। हल्द्वानी में राज्य के प्रथम आधुनिक कैंसर संस्थान का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इसके साथ - साथ हम राज्य के प्रत्येक क्षेत्र के लिए हेली एंबुलेंस सेवा भी प्रारंभ कर चुके हैं जो किसी भी आपात स्थिति में सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नि:शुल्क जांच योजना के अंतर्गत मरीजों को 207 प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचों की नि:शुल्क सुविधा भी प्रदान की जा रही है। हमारी सरकार द्वारा जहां एक ओर जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का आधुनिकीकरण कर उन्हें बेहतर सुविधाओं से युक्त किया जा रहा है। वहीं उत्तराखंड टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से दूरदराज के गाँवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा परामर्श सुविधा भी प्रदान की जा रही है। हम अपने सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए भी निरन्तर प्रयासरत हैं।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि आचार्य नागार्जुन जिन्होंने सदियों पहले सोना, चांदी, तांबे, लौह, पारा व अभ्रक आदि का इस्तेमाल कर औषधीय भस्म बनाने की विधि तैयार की थी या महर्षि सुश्रुत जिन्होंने जटिल से जटिल शल्य चिकित्सा के सिद्धांत प्रतिपादित किए थे। यह सभी भारत के वो वैज्ञानिक स्तंभ हैं जिनके सिद्धांतों पर आज का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी गर्व करता है। आज आप सभी आधुनिक विज्ञान के माध्यम से भारत की ज्ञान परंपरा को अपनी सेवा और समर्पण द्वारा जीवंत बनाए हुए हैं। डॉक्टर्स केवल बीमारियों का उपचार नहीं करते, बल्कि उस संकट की घड़ी में जीवन की सबसे बड़ी आशा भी बन जाते हैं, जब रोगी और उसके परिवार के सामने अंधकार छा जाता है। ऐसे समय डॉक्टर्स अपने धैर्य, ज्ञान और सेवा-भाव से उस अंधेरे में रोशनी की किरण बन उनका जीवन बचाने का कार्य करते हैं। मनुष्य के जन्म लेने से लेकर उसके अंतिम समय तक डॉक्टर की भूमिका निरंतर बनी रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान जब पूरा विश्व गंभीर संकट से जूझ रहा था, उस समय चिकित्सक नि:स्वार्थ सेवा में जुटे हुए थे ।आप लोगों ने ऐसे कठिन समय में अपनी जान की परवाह किए बिना दिन-रात मरीजों को बचाने का काम किया। आप लोग ने पीपीई किट पहनकर, खुद को संक्रमण के खतरे में डालकर और अपनों से दूर रहकर जिस सेवा भावना का परिचय दिया, वो मानवता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। यह मानव सेवा के प्रति आपके समर्पण और संकल्प का ही प्रतीक है कि आप किसी भी परिस्थिति की परवाह किए बिना, सदैव मरीजों की सेवा में समर्पित रहते हैं। कार्यक्रम में डॉ आर के जैन, डॉ गीता खन्ना, डॉ सुनीता टमटा, डॉ कृष्ण अवतार, डॉ आर एस बिष्ट, डॉ अशोक कुमार, डॉ आशुतोष स्याना, डॉ महेश कुड़ियाल, डॉ प्रशांत, डॉ नंदन बिष्ट सहित सभी प्रमुख सरकारी व निजी अस्पतालो के चिकित्सक उपस्थित थे।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने खरीफ के लिए '9वें फसल बीमा सप्ताह' जागरूकता अभियान की घोषणा की

इंडिया वार्ता ब्यूरो। देश की सबसे बड़ी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने खरीफ 2025 सीजन के लिए योजना लागू करने वाले राज्यों में अपना 'फसल बीमा सप्ताह' जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। यह एक हफ्ते तक चलने वाली पहल है, जिसका मकसद किसानों को फसल बीमा के फायदे समझाना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में ज्यादा से ज्यादा किसानों को शामिल करना है। किसानों को मौसम से होने वाले नुकसान से बचाने में फसल बीमा की अहमियत को ध्यान में रखते हुए, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने 1 जुलाई से 7 जुलाई 2025 तक इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन और कम्युनिकेशन से जुड़ी कई गतिविधियां शुरू की हैं। ये कोशिशें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, असम, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे छह बड़े राज्यों के शहरों और गांवों में की जाएंगी, जिनमें लोगों तक पहुंच और असर को बढ़ाने के लिए पुराने और नए तरीकों के मेल से प्रचार किया जाएगा।

अभियान के हिस्से के रूप में, फसल बीमा पाठशालाएं लगेंगी, किसानों के लिए बड़े स्तर की कार्यशालाएं होंगी और लोगों में जागरूकता और बातचीत को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग तरह की एक्टिविटी की जाएंगी। इसके अलावा महिला किसानों के लिए खास सेशंस रखे जाएंगे और अगली पीढ़ी के कृषि नेताओं को जागरूक करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में युवा-केंद्रित वर्कशॉप भी करवाई जाएंगी। इस पहल के बारे में बात करते हुए, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ नवीन चंद्र झा ने कहा, पीएमएफबीवाई जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अनिश्चितताओं से किसानों को बचाने में बड़ी भूमिका निभा रही है। एसबीआई जनरल में हमारा मकसद सिर्फ सुरक्षा देना नहीं है, बल्कि किसानों को जानकारी देकर उन्हें आत्मविश्वास से मजबूत बनाना भी है। इस खास जागरूकता अभियान के जरिए हम जानकारी की कमी को खत्म करना चाहते हैं और योजना में ज्यादा से ज्यादा किसानों को जोड़ना चाहते हैं। जानकारी रखने वाला किसान ही एक सुरक्षित किसान होता है।

21वीं गढ़वाल राइफल्स के पूर्व सैनिक स्थापना दिवस पर एकजुट हुए

देहरादून इंडिया वार्ता ब्यूरो। 21वीं गढ़वाल राइफल्स के पूर्व सैनिक मंगलवार को स्थापना दिवस पर एकजुट हुए। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने नौकरी के दौरान की यादें ताजा करने के साथ ही स्थापना दिवस का जश्न मनाया। मोथरोवाला स्थित वेडिंग प्वाइंट में 21वीं गढ़वाल राइफल्स का स्थापना दिवस समारोह आयोजित हुआ। बटालियन के गौरव सैनिकों ने अजेय इक्कीस, गढ़वाल राइफल्स और देश के समस्त सैनिकों और उनके परिवारों की खुशहाली की कामना की। पूर्व सैनिकों ने कहा कि वह आज भी हर विकट परिस्थिति में देश की सुरक्षा के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर बटालियन के प्रथम ऑनरेरी कैप्टन सोवन सिंह बिष्ट, उज्ज्वल सिंह, उत्तम सिंह रावत, सूबेदार मेजर भगवान सिंह राणा, सूबेदार जयपाल सिंह, केसर सिंह, महेश बिष्ट समेत पूर्व सैनिक और सेवारत सैनिक अपने परिवार के साथ शामिल हुए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शॉप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

धामी सरकार का बड़ा ऐलान, कांवड़ मार्ग में स्थित खाद्य की दुकान पर मालिक का नाम, लाइसेंस और पहचान पत्र दिखाना जरूरी

बिना नाम और लाइसेंस वाली दुकानें होंगी बंद, धामी सरकार ने कांवड़ यात्रा के लिए जारी किए सख्त निर्देश

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । श्रद्धा और आस्था के महापर्व कांवड़ यात्रा 2025 को लेकर उत्तराखंड सरकार ने कमर कस ली है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग ने एक सख्त और समर्पित कार्ययोजना तैयार की है, जिसके तहत लाखों श्रद्धालुओं को शुद्ध और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए व्यापक निगरानी अभियान चलाया जाएगा।

कानूनी कार्रवाई व 2 लाख तक का जुर्माना

कांवड़ यात्रा 2025 के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए शासन ने सख्त व्यवस्था लागू कर दी है। स्वास्थ्य सचिव एवं आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ आर. राजेश कुमार ने कहा

इस संबंध में यात्रा मार्गों पर मौजूद सभी होटल, ढाबा, ठेली, फड़ व अन्य खाद्य कारोबारियों को कुछ जरूरी निर्देश दिए गए हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य है, हर खाद्य कारोबारी को अपने लाइसेंस या पंजीकरण प्रमाणपत्र की एक साफ-सुथरी प्रति अपने प्रतिष्ठान में प्रमुख जगह पर लगानी होगी, ताकि उपभोक्ता उसे आसानी से देख सकें। छोटे व्यापारियों व ठेले-फड़ वालों को भी अपना फोटो पहचान पत्र और पंजीकरण प्रमाण पत्र अपने पास रखना और प्रदर्शित करना जरूरी होगा। होटल, भोजनालय, ढाबा और रेस्टोरेंट में %फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड% भी साफ-साफ दिखाई देने वाले स्थान पर लगाया जाना चाहिए, जिससे ग्राहक को यह पता चल सके कि खाने की गुणवत्ता की जिम्मेदारी किसकी है। जो कारोबारी ये निर्देश नहीं मानेंगे, उनके खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 की धारा 55 के तहत कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 2 लाख तक का जुर्माना लग सकता है। सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इन आदेशों का कड़ाई से पालन हो। श्रद्धालुओं की सेहत के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

स्वास्थ्य सचिव एवं आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ आर. राजेश कुमार ने कहा कांवड़ यात्रा के दौरान पंडालों, भंडारों और अन्य भोजन केंद्रों पर परोसे जा रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मिलावटखोरों और मानकों से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों की सेहत हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

खाद्य पदार्थों की सघन जांच का अभियान

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की विशेष टीमें हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, पौड़ी और उत्तरकाशी जिलों में तैनात की गई हैं। ये टीमें नियमित रूप से पंडालों से दूध, मिठाई, तेल, मसाले, पेय पदार्थ आदि के नमूने लेंगी और जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजेंगी। अगर कोई नमूना मानकों पर खरा नहीं उतरता तो संबंधित स्थल को तत्काल बंद कर दिया जाएगा।

अपर आयुक्त खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन श्री ताजबर सिंह जग्गी ने कहा सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना लाइसेंस खाद्य व्यवसाय करने वालों के खिलाफ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। मिलावट या नियम उल्लंघन करने वालों को आर्थिक दंड के साथ-साथ आपराधिक कार्रवाई का भी सामना करना पड़ेगा।

जागरूकता और शिकायत व्यवस्था

आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) माध्यमों से जनता और संचालकों को शुद्ध भोजन की पहचान, खाद्य नियमों और उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके लिए बैनर, पोस्टर, पर्चे और सोशल मीडिया का उपयोग किया जा रहा है। सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर ङ्क 18001804246 पर कोई भी व्यक्ति खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर शिकायत दर्ज कर सकता है। शिकायत पर प्रशासनिक टीमें तुरंत मौके पर जाकर कार्रवाई करेंगी।

नियमित रिपोर्टिंग और अधिकारी जिम्मेदार

हर जिले से प्रतिदिन की गई कार्रवाई की रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। वरिष्ठ अधिकारियों को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आस्था के पर्व में स्वास्थ्य का संकल्प

उत्तराखंड शासन ने सभी धार्मिक संस्थाओं, भंडारा संचालकों और खाद्य विक्रेताओं से अपील की है कि वे श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए केवल शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन परोसें। सरकार की मंशा है कि श्रद्धा और स्वास्थ्य दोनों का संतुलन इस पावन यात्रा में बना रहे।

सूबे में मेडिकल फैकल्टी के लिये बनेगी पृथक स्थानांतरण नीतिः डॉ. धन सिंह रावत

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय मेडिकल कॉलेजों में तैनात मेडिकल फैकल्टी के लिये पृथक स्थानांतरण नीति बनाई जायेगी। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुये नई स्थानांतरण नीति तैयार करने को कहा गया है। इसके अलावा विभाग में लम्बे समय से रिक्त पदों को भरा जायेगा साथ ही कार्मिकों को प्रमोशन का भी लाभ सुनिश्चित किया जायेगा। पर्वतीय क्षेत्रों में हेल्थ नेटवर्क मजबूत करने के दृष्टिगत दूरस्थ व दुर्गम क्षेत्रों में चिकित्सकों के मानदेय में वृद्धि की जायेगी। यह बात प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में आयोजित 'डॉक्टर ऑफ द ईयर अवार्ड-2025' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये डॉ. रावत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में मजबूत स्वास्थ्य तंत्र विकसित करने में जुटी है। इसके लिये सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। जिनमें राजकीय चिकित्सालयों एवं मेडिकल कॉलेजों में विशेषज्ञ चिकित्सकों, चिकित्साधिकारियों, नर्सिंग अधिकारियों, पैरामेडिकल व तकनीकी स्टॉफ की बड़े पैमाने पर नियुक्ति की है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेजों एंव चिकित्सालयों में आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। डॉ. रावत ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेजों में संकाय सदस्यों के स्थानांतरण के लिये पृथक से नीति बनाई जायेगी, जो मेडिकल फैकल्टी पर केन्द्रित होगी। नई नीति में पारदर्शी स्थानांतरण को लेकर स्पष्ट व्यवस्था होगी जिससे कार्मिकों को अपने स्थानांतरण लेकर कोई भ्रम न रहे। उन्होंने कहा कि नई स्थानांतरण नीति को तैयार करने से पहले विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक पहलुओं का बारीकी से अध्ययन करने को कहा गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार राजकीय चिकित्सालयों व मेडिकल कॉलेजों में ढ़ांचागत व्यवस्था के साथ ही आधुनिक चिकित्सकीय उपकरणों के साथ ही आधुनिक चिकित्सकीय उपकरणों की व्यवस्था कर रही है। इसके अलावा विभागों में विभिन्न संवर्गों के तहत लम्बे समय से रिक्त पड़े पदों को भरा जायेगो, साथ ही आईपीएचएस मानकों के अनुरूप नये पदों को भी सृजित किया जायेगा। साथ ही विभाग में शत-प्रतिशत पदोन्नति का लाभ भी कार्मिकों को दिया जायेगा। इसके लिये विभगाय अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये हैं। डॉ. रावत ने कहा कि सरकार प्रदेश में मजबूत हेल्थ नेटवर्क स्थापित करने में जुटी है, खास कर पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिये सरकार दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात चिकित्सकों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है साथ ही उनके मानदेय में भी बढ़ोत्तरी की जायेगी। ताकि अधिक से अधिक चिकित्सकों को पहाड़ में सेवाएं देने के लिये प्रोत्साहित किया जा सके। कार्यक्रम में डॉ. रावत ने चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले चिकित्सकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में प्रो स्टार क्रिकेट लीग का शुभारम्भ

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । धर्मा क्रिएशन्स और विशेष इवेंट्स ने मिलकर प्रो स्टार क्रिकेट लीग का भव्य शुभारंभ किया है। इस रोमांचक क्रिकेट लीग का अनावरण प्रसिद्ध भारतीय क्रिकेटर आकाश मधवाल व इंडियाज स्ट्रॉन्गेस्ट मेन अमन वोहरा द्वारा किया गया जिसमे आयोजक आकाश गुप्ता और विभोर गुप्ता ने अपनी टिप्पणी दी। कार्यक्रम का आयोजन राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर टीम के सदस्य फैसल खान, सुमित तिवारी, राजेश गुप्ता, सीमान्त बिष्ट, मो अरशद, आर्यन सिंह, अमन गुप्ता, सौरभ, द्वारिका गुप्ता, गौरव सिंह, विनीत और विक्रम भी उपस्थित रहे। प्रो स्टार क्रिकेट लीग का दृष्टिकोण भारत की सबसे रोमांचक और मनोरंजक क्रिकेट लीगों में से एक का निर्माण करना है, जो प्रतिस्पर्धा, खेल कौशल और सामुदायिक जुड़ाव का एक उच्च-ऊर्जा मंच होगा। इसका लक्ष्य एक ऐसा व्यापक क्रिकेट अनुभव प्रदान करना है जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध करे, प्रशंसकों की वफादारी बढ़ाए और प्रायोजकों के लिए शक्तिशाली ब्रांड दृश्यता प्रदान करे। यह लीग उत्तराखंड के लोकल खिलाडियों को नया स्तर प्रदान करेगी व राज्य के टूरिज्म को बढ़ावा देगी। यह टी10 प्रारूप में खेली जाएगी, जो इसे तेज और आकर्षक बनाती है। टूर्नामेंट लीग प्रारूप में आयोजित किया जाएगा जिसके बाद प्लेऑफ होंगे। सभी मैचों की देखरेख योग्य अंपायर और अधिकारी करेंगे ताकि नियमों का पालन और निष्पक्ष खेल सुनिश्चित हो सके। प्रतिभा के समान और प्रतिस्पर्धी वितरण को सुनिश्चित करने के लिए एक प्लेयर ड्राफ्ट भी होगा। प्रो स्टार क्रिकेट लीग सितंबर 2025 में देहरादून के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। यह दिनों तक चलने वाला मनोरंजक क्रिकेट होगा, जो 13 सितंबर से शुरू होकर 24 सितंबर तक चलेगा। इस लीग से 100 मिलियन से अधिक लीग इंप्रेशन की उम्मीद है, स्टेडियम में 100,000 दर्शकों की उपस्थिति की उम्मीद है। (सभी दिनों में) पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, लीग अपशिष्ट कटौती और रीसाइक्लिंग, हरित परिवहन, वृक्षारोपण पहल, टिकाऊ व्यापारिक वस्तुएं, शैक्षिक कार्यशालाएं और पर्यावरण-अनुकूल स्थानों पर ध्यान केंद्रित करेगी। लीग में भ्रष्टाचार विरोधी और सुरक्षा इकाई भी होगी, साथ ही एक मेडिकल प्लान भी होगा जो हर समय अत्याधुनिक चिकित्सा सहायता प्रदान करेगा।